[श्री चण्डीहर सिंह]

अनाचार और दुराचार के खिलाफ वहाँ एक जेहाद-ना छिड़ गया है। आजमगढ़ी और वीर आजमगढ़ी की तिकड़म करके वहाँ के वाइस चांसलर ने आजमगढ़ी लडको को पिटाया, जिसके कारण लडकों के सिर टूटे, पैर टूटे और हाथ टूटे। स्थिति बहुत भयंकर बनती चली जा रही है। अलीगढ़ से पूर्व के जो बिदार्थी हैं उन में से 28 को निष्कासन कर दिया गया है और यह निष्कासन बिना अनुशासन समिति की सिफारिश के किया गया है। यह हालत वहाँ बनती चली जा रही है। आज विश्वविद्यालय दो गुटों में पूरा का पूरा विभक्त हो चुका है। लखनऊ, आजमगढ़, बाराणसी, गोरखपुर, बस्ती यह सब तो आजमगढ़िया इलाका है, जो बिहार के बोर्डर से मटा हुआ है, यहाँ के लोग आजमगढ़ी इलाके के हैं और उनके साथ वहाँ का वाइस चांसलर तीतेला व्यवहार कर रहा है। इस तरह के व्यवहार के चलते वहाँ के विद्यार्थियों के लिए वहाँ रहना दुःख हो गया है। अस्त व्यस्त, अस्त, और आपदा अस्त और उपद्रवग्रस्त, ऐसी स्थिति में वहाँ वाइस चांसलर के रहते बनती चली जा रही है। स्थिति बंद से बदतर होती जा रही है। वहाँ विद्यार्थियों की मांग है कि वाइस चांसलर को तुरन्त हटाया जाए। मैं चाहता हूँ कि सरकार इस और ध्यान दे और तत्काल कोई प्रभावकारी कार्य करे।

(iv) LIKELIHOOD OF LOCUST INVASION

श्री माधू सिंह (बीसा) नियम 377 के तहत मैं इस मामले को उठा रहा हूँ। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार अफ्रीका, अरब देशों और भारतीय उपमहाद्वीप में भारी टिड्डी दलों के हमले की आशंका उत्पन्न हो गई है। पता चला है कि अरबों की संख्या में टिड्डियों के दल अफ्रीकी देशों में प्रविष्ट हो रहे हैं। टिड्डियों की संख्या एक किलोमीटर में चालीस हजार लाख से से क आठ हजार लाख तक होती है। 1958 में

टिड्डियों के दल अरबों में हमारे वहाँ 1.67 लाख टन अनाज नष्ट कर दिया था।

स्वतन्त्रता के बाद चीन और पाकिस्तान ने ही हमारे देश पर हमला नहीं किया। कई बार इन टिड्डी दलों ने भी किया जिससे लाखों टन अनाज की क्षति हुई। इसके बारे में मैं सरकार को सतर्क करना चाहता हूँ, मंत्री महोदय को सतर्क करना चाहता हूँ और चाहता हूँ कि वह ऐसी व्यवस्था करे ताकि ये टिड्डी दल हमारे देश की सीमाओं में प्रविष्ट न हो मकें और उनके द्वारा नष्ट होने वाले अनाज को बचाया जा सके। यदि ऐसा नहीं किया गया तो देश को ज प्रागी क्षति होगी उससे बचा नहीं जा सकेगा।

(v) SERIOUS SITUATION IN PATNA

श्री मनोहर लाल (कानपुर) 377 के अधीन मैं आपका तथा इस माननीय मदन का ध्यान दिलाने हुए पटना में जो विस्फोटक स्थिति पैदा होनी जा रही है उसकी ओर ध्यान खीचना चाहता हूँ। कांग्रेस ने शुभ से ही डिवाइड एंड रूल की नीति का अवलम्बन किया था। इस नीति का अवलम्बन करने में उसने 30 साल तक जरा भी सकोच नहीं किया। गद्दी से हटने के बाद भी वह खुलेआम इसी नीति पर चल रही है। आपने जैसा अखबारों में देखा होगा कि श्री जयप्रकाश नागायण के अमृत महोत्सव पर भी जानिवाद का नाग लगाया गया और कुछ अशांतीय घटनाएँ की गईं। श्री जगजीवन राम के साथ वहाँ के मुख्य मंत्री श्री कर्पूरी ठाकुर के साथ भी इसी तरह का अशुभ व्यवहार किया गया है। अराजक तत्वों के साथ इन लोगों ने मिल कर इस तरह की घटनाएँ वहाँ पर कराई हैं। काका कालेलकर की अध्यक्षता में बने कमिशन ने अपनी रिपोर्ट दी जिसमें बैंकवर्ड क्लॉसिस के लोगों के लिए तरह तरह की सुविधाएँ देने की सिफारिश की गई थी। लेकिन आज तक हमारी कांग्रेस की सरकार ने जब तक यह सत्ता में रही इस रिपोर्ट को कार्यरूप में परिणत नहीं किया। आज जब जनता पार्टी की सरकार